TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

13 जुलाई

1. **रोमन सम्राट जूलियस सीजर का जन्म–** माना जाता है कि 100 ईसा पूर्व 12 जुलाई को ही जूलियन कैलेंण्डर के दाता रोमन सम्राट जूलियस सीजर का जन्म हुआ था। उसने अपने जीवन के आरंभिक दिनों में पुजारी के तौर पर कार्य किया लेकिन बाद में सेना में शामिल होकर एशिया के अभियान पर निकल गया। उसने ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, एशिया माइनर, दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका को जीत लिया था।
2. **उपन्यासकार आशापूर्णा देवी का निधन–** आशापूर्णा देवी भारतीय बांग्ला भाषा की महान लेखिका थी, जिनका निधन 13 जुलाई, 1995 ई. को हुआ था। उन्होंने अपनी कृतियों में पारिवारिक जीवन की समस्याएं, समाज की कुंठा, नारी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता आदि को उजागर किया। उनकी प्रमुख रचनाएं स्वर्णलता, गाछे पाता नील, प्रथम प्रतिश्रुति, प्रेम और प्रयोजन, जल, आगुन आदि हैं। उन्हे वर्ष 1976 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाली वे प्रथम महिला हैं।

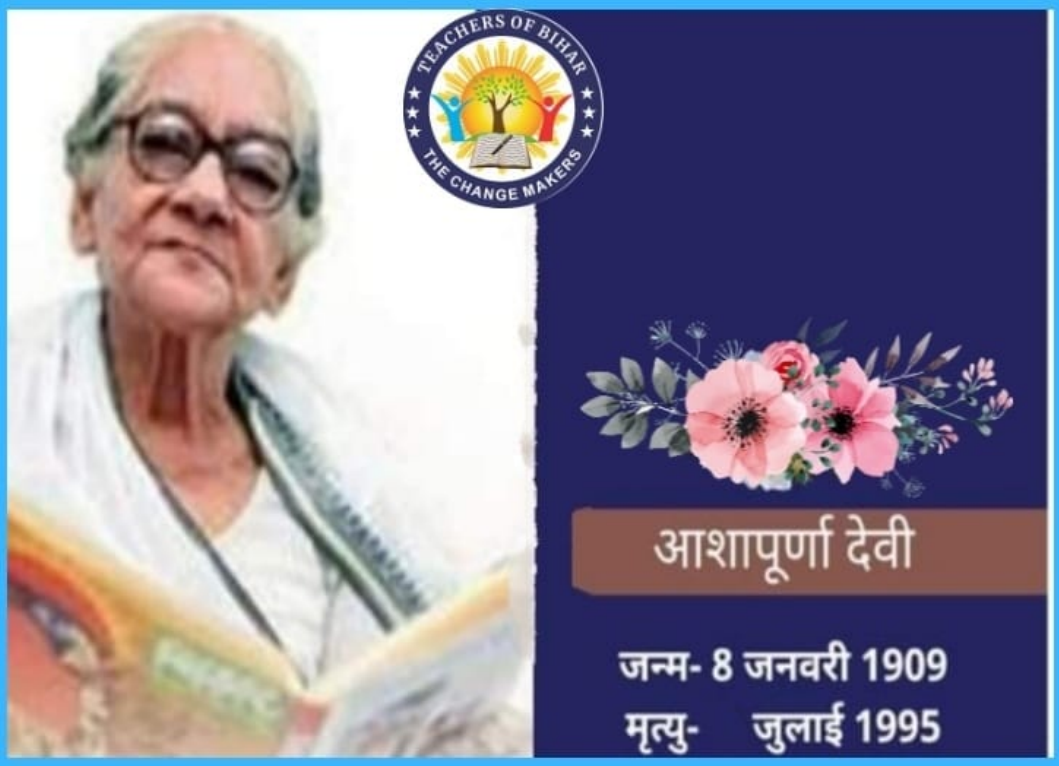

Saturday

Madhu priya

दिवस विशेष

13 जुलाई

मधु प्रिया

उपन्यासकार आशापूर्णा देवी का निधन 13 जुलाई

आशापूर्णा देवी का जन्म 8 जनवरी 1909 को पश्चिमी बंगाल के कलकत्ता में हुआ था। उनका परिवार कट्टरपंथी था इसलिए उन्हें स्कूल और कॉलेज जाने का सुअवसर नहीं मिला। लेकिन बचपन से ही उन्हें पढ़ने-लिखने और अपने विचारों की अभिव्यक्ति की सुविधाएँ प्राप्त हुई। उनके घर में नियमित रूप से अनेक बांग्ला पत्रिकाएँ जैसे: प्रवासी, भारतवर्ष, भारती, मानसी-ओ मर्मबानी, अर्चना, साहित्य, सबूज पत्र आदि आती थी। जिनका अध्ययन और चिंतन उनके लेखन की नींव बना। उन्होंने 13 वर्ष की अवस्था से लेखन प्रारम्भ किया और आजीवन साहित्य रचना से जुड़ीं रहीं।कला और साहित्यिक परिवेश की वज़ह से उनमें संवेदनशीलता का भरपूर विकास हुआ। आशापूर्णा देवी की कर्मभूमि पश्चिमी बंगाल थी। उनका पहला कहानी-संकलन "जल और जामुन" 1940 में यहीं से प्रकाशित हुआ था। उस समय यह कोई नहीं जानता था कि बांग्ला ही नहीं, भारतीय कथा साहित्य के मंच पर एक ऐसे नक्षत्र का आविर्भाव हुआ है जो दीर्घकाल तक समाज की कुंठा, संकट, संघर्ष, जुगुप्सा और लिप्सा-सबको समेटकर सामाजिक संबंधों के हर्ष, उल्लास और उत्कर्ष को नया आकाश प्रदान करेगा। उनकी कहानियाँ पात्र, संवाद या घटनाओं का जमघट नहीं हैं, परंतु जीवन की किसी अनकही व्याख्या को व्यंजित करती हैं और इस रूप में उनकी एकदम अलग पहचान है।उपन्यासकार आशापूर्णा देवी का निधन 13 जुलाई 1995 को हुआ।

पुण्यतिथि विशेष 13 जुलाई

राकेश कुमार

आशापूर्णा देवी *Ashapoorna Devi*, जन्म: 8 जनवरी, 1909, कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता); मृत्यु: 13 जुलाई, 1995) बांग्ला भाषा की प्रख्यात उपन्यासकार थीं, जिन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में लिखना प्रारंभ कर दिया था और तब से ही उनकी लेखनी निरंतर सक्रिय बनी रही।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 13.07.2024

न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण

न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण यह मापता है कि आपका मस्तिष्क कितनी अच्छी तरह काम करता है। यह पढ़ने, भाषा का उपयोग, ध्यान, सीखने, प्रसंस्करण गति, तर्क, याद रखने और समस्या-समाधान के साथ-साथ मनोदशा और व्यवहार जैसे मानसिक कार्यों की एक श्रृंखला का परीक्षण करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

विश्व में सबसे पहले सीमेंट का निर्माण 1824 ई में ब्रिटेन के पोर्टलैंड नामक स्थान पर किया गया था।

www.teachersofbihar.org

TOB बूझो तो जानें . .

438

खाने में आता हूं काम, उल्टा सीधा एक समान
बताओ क्या है मेरा नाम ... बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 438

साहित्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा पुरस्कार कौन सा है?

A. ज्ञानशिक्षा पुरस्कार

B. कबीर सम्मान

C. ज्ञानपीठ पुरस्कार

D. ज्ञानशिखा पुरस्कार

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: C

बालमन

फादर्स डे स्पेशल- पेंटिंग प्रतियोगिता परिणाम

इंतज़ार
की
घड़ियां हुई खत्म

हम आ रहें हैं

14 जुलाई

दोपहर 2:00 बजे

सिर्फ टीचर्स ऑफ़ बिहार के फेसबुक पेज पर

पेरिस ओलम्पिक 2024

ओलम्पिक खेल 2024 में कहाँ होगा?

पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल फ्रांस में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा।

2024 के ओलंपिक का शुभंकर क्या है?

ओलंपिक फ़्रीज नीले, सफ़ेद और लाल रंग में सजा हुआ है - जो फ्रांस के प्रसिद्ध तिरंगे झंडे के रंग हैं - और इसकी छाती पर सुनहरे रंग का पेरिस 2024 लोगो अंकित है।

2024 में पेरिस ओलंपिक के लिए कितने भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया?

भारत फ्रांस की राजधानी में करीब 120 एथलीट भेजेगा, इस उम्मीद के साथ कि यह दल टोक्यो खेलों के सात पदकों की संख्या को बेहतर कर सकेगा। 2024 पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

भारत से बांग्ला भाषा की
कवयित्री और उपन्यासकार
ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने
वाली पहली भारतीय महिला

आशा पूर्णा देवी

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

8 जनवरी 1909 - 13 जुलाई 1995

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

प्रसिद्ध समाजशास्त्री, नारीवादी
विदुषी, राइटिंग कास्ट, राइटिंग जेंडर
की लेखिका, भारत के प्रमुख नारीवादी
विद्वानों में से एक

शर्मिला रेगे

की पुण्यतिथि पर सादर नमन।

जन्म- 7 अक्टूबर 1964 - मृत्यु - 13 जुलाई 2013

Madhu priya

13 जुलाई 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

किसी बालक की क्षमताओं को नष्ट करना हो तो उसे रटने में लगा दो।

विनोवा भावे

राकेश कुमार